FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction			
Program: Bachelor in Arts (Degree/Honors)		Semester- V	
1	Course Code	SNSE-03	
2	Course Title	संस्कृत पद्य साहित्य	
3	Course Type	DSE	
4	Pre-requisite (if any)	As per program	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे। • विद्यार्थी संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे। • उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी। • पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनमें नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा। • विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।	
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours - learning& Observation
7	Total Marks	Max. Marks : 100	Min. Passing Marks : 40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	महाकविकालिदासकृत-कुमारसम्भवम्-पञ्चम सर्ग श्लोक1-50 (मूल पाठ का हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन)	15
II	बिल्हणकृत-विक्रमाङ्कदेवचरितम् - प्रथमसर्गश्लोक 1-50 (मूल पाठ का हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन)	15
III	माघकृत-शिशुपालवधम्- प्रथमसर्गश्लोक 1-50	15

	(मूल पाठ का हिन्दी भाषा में व्याख्यात्मक अध्ययन)	
IV	संस्कृत पद्य साहित्य का इतिहास (कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष,अश्वघोष)	15
Keywords	कुमारसम्भवम्, विक्रमाङ्कदेवचरितम्,शिशुपालवधम्,कालिदास,भारवि, बिल्हण , माघ, श्रीहर्ष, अश्वघोष	

Signature of Convener & Members(CBoS) :

PART – C : Learning Resources		
Text Books and Others		
Text Books Recommended – संस्कृत महाकाव्य की परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्ग), डा. सत्यकेतु, परिमल प्रकाशन, नईदिल्ली. शिशुपालवधमहाकाव्यम्, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी बिल्हणकृत- विक्रमाङ्कदेवचरितम्, प. विश्वनाथ शास्त्री चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्या भवन वाराणसी कालिदासमीमांसा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी		
e- Resources/ e-books and e-learning portals		
e- Resources/ e-books and e-learning portals		
PART – D: Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods : Maximum Marks : 100 Marks Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks End Semester Exam (ESE) : 70 Marks		
Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher)	Internal Test /Quiz-(2) : 20 & 20 Assignment / Seminar - 10 Total Marks - 30	Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30

		marks
End Semester Exam (ESE) :	Two section – A & B Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks	

Signature of Convener & Members(CBoS) :